पाठ 19. वही मनुष्य है

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता सच्चे मनुष्य को नमन कर रहा है। इस कविता का उद्देश्य बच्चों को परोपकारी, सहयोगी तथा उदार बनने की सीख देना है। इस पाठ द्वारा बच्चे अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना समझ पाएँगे।

कविता का सारांश

हमें ऐसे कर्म करने चाहिए कि मरने के बाद भी लोग हमें याद करें। जो सिर्फ़ अपने स्वार्थ के लिए जीते हैं, वे लोग पशु समान हैं। जो दूसरों के हित के लिए मरते हैं, ऐसे लोगों के गुणों का बखान सरस्वती भी करती हैं तथा वह समस्त सृष्टि के लिए पूजनीय बन जाता है। ऐसे श्रेष्ठ पुरुष का स्वागत करने के लिए अंतरिक्ष में देवता अपनी बाँहें फैलाए खड़े रहते हैं। विपत्ति तथा बाधाओं को दूर करते हुए अपने मार्ग पर आगे बढ़े चलो। आपका जीवन तभी सार्थक माना जाएगा जब आप लोकहित के लिए अपने प्राण देने के लिए भी तत्पर रहेंगे।

अध्यापन संकेत

जोश से भरी इस कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों को अनुकरण करने को कहें। कठिन शब्दों का अर्थ बताते हुए कविता की पंक्तियों का सरलीकरण करें। बीच-बीच में महात्मा गांधी, मदर टेरेसा जैसे लोगों के उदाहरण दिए जा सकते हैं। कुछ स्वतंत्रता सेनानियों के नाम भी लिए जा सकते हैं।

उसी उदार .... के लिए मरे।– इन पंक्तियों में कवि मनुष्यता के गुणों का बखान कर रहे हैं। जो दूसरों के लिए जीता तथा मरता है उसी उदार व्यक्ति का नाम लोग युगों-युगों तक याद करते हैं। ऐसे व्यक्ति के गुणों का बखान स्वयं सरस्वती करती है। उसी के कारण वहाँ की धरती स्वयं को धन्य मानती है कि उसने वहाँ जन्म लिया। वह मृत्यु के बाद भी सजीव रूप में जन-जन में रहता है, उसी को यह समस्त संसार अपना आदर्श मानता है। जो इस विश्व को जोड़ने का कार्य करे, सभी पृथ्वीवासियों को एक आत्मा माने, वही मनुष्य है।

चलो अभीष्ट .... के लिए मरे।– इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि सृष्टि में एकरूपता लाने के लिए सभी लोगों को मिलकर एक दिशा, एक लक्ष्य बनाकर चलना होगा। फिर उसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमें अपना मार्ग प्रशस्त करना है। चाहे राह में कितनी ही बाधाएँ, परेशानियाँ क्यों न आएँ, उन्हें खुशी-खुशी ढकेलते हुए आगे बढ़ना चाहिए। इस लक्ष्यप्राप्ति में सभी साथ चलें। न तो किसी में मन-मुटाव हो, न भेदभाव एवं भिन्नता हो। सबका एक ही लक्ष्य हो मान. वता की भलाई। इस प्रकार जो सभी के हित का सोचे, सभी का मार्ग प्रशस्त करे, वही मनुष्य है।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों से पूछें कि अच्छा होने के लिए हमारे अंदर किन गुणों का होना ज़रूरी है।
- उनसे कोई ऐसी घटना सुनें जब किसी की मदद करके उन्हें बहुत खुशी मिली हो।
- कविता से मिलने वाली सीख पर विशेष रूप से चर्चा करें।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।